निवेश प्रस्तावों को रफ्तार देंगे उद्यमी मित्र

जासं • लखनऊ : दो लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव तो केवल लखनऊ में आए हैं। इसके अलावा प्रदेश में यह आंकड़ा कई गुना है। निवेश के प्रस्तावों को धरातल पर कैसे उतारा जाए अब यह एक बड़ी चुनौती है। प्रस्तावों को जमीन पर उतारने के लिए प्रशासन ने उद्यमी मित्र तैनात किए हैं, जो निवेशक और प्रशासन के बीच सेतु का कार्य करेंगे।

मंगलवार को डीएम सूर्यपाल गंगवार पंचायती राज प्रशिक्षण संस्थान में मुख्यमंत्री उद्यमी प्रशिक्षण कार्यक्रम में उद्यमी मित्रों से मुखातिब हुए और औद्योगिक विकास के संबंध में जिला प्रशासन की भूमिका को लेकर चर्चा की। जिलाधिकारी ने पूर्व से कार्यरत उद्यमी मित्रों से फील्ड में कार्य की चुनौतियों एवं अनुभवों के बारे में फीडबैक लिया। जिलाधिकारी ने उद्यमी मित्रों से कहा कि निवेश के प्रस्तावों को आगे बढ़ाने के लिए आप लोगों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होने जा रही है। किसी भी प्रोजेक्ट में जमीन सबसे जरूरी है और उसके

पंचायती राज प्रशिक्षण संस्थान में उद्यमी प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार • सूचना

चयन के समय बेहद सावधानी बरतने की जरूरत होती है। प्रोजेक्ट के लिए कितनी जमीन उपयुक्त है, वहां कनेक्टिवटी व विद्युत आपूर्ति है या नहीं, इसका सबसे पहले अध्ययन कर लें।

डीएम ने उद्यमी मित्रों को भूमि के

- **सीएम उद्यमी प्रशिक्षण कार्यक्रम में उद्यमियों से मिले डीएम**
- **उद्योग के लिए जरूरी बिंदुओं पर साझा की जानकारी**

सीमांकन, विकास प्राधिकरण, औद्योगिक विकास प्राधिकरण, ग्राम पंचायतों की जमीन, मास्टर प्लान, भू उपयोग परिवर्तन, 12.5 एकड़ से अधिक भूमि क्रय संबंधी नियम, ले आउट तथा मैप अप्रूवल आदि के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए प्लेज योजना के तहत निजी क्षेत्र में 10 से 50 एकड़ के औद्योगिक पार्क बनाए जाएंगे। इसके तहत तीन वर्षों के लिए केवल एक प्रतिशत ब्याज पर धनराशि उपलब्ध कराई जा रही है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने उद्यमी मित्रों को व्यवसाय शुरू करने, वित्तीय योजना तैयार करने, मार्केटिंग रणनीति, कानूनी प्रक्रियाएं और उद्यम संचालन की बारीकियों पर भी विशेष जानकारी दी।